चतुर्थः पाठः

COPY ACtivity नीतिवचनानि

PAGE NO.:
DATE: / /

(1) प्रश्न - उत्तर

प्र (क) मनसा चिन्तितं कार्यं कथं रक्षेत्?
उत्तर मनसा चिन्तितं कार्यं मंत्रवत् रक्षेत्।

प्र (ख) कं यत्नेन संरक्षेत्?
उत्तर वृत्तं यत्नेन संरक्षेत्।

प्र (ग) कः मित्रं भवति?
उत्तर यः आपत्कालेऽपि मित्रं भवति।

प्र (घ) किं कार्यं नैव प्रकाशयेत्?
उत्तर मनसा चिन्तितं कार्यं नैव प्रकाशयेत्।

(7) संस्कृत अनुवाद =>

अनुवाद (क) वृत्तं यत्नेन संरक्षेत्।
अनुवाद (ख) सर्वदा सत्यं वदेत्।
अनुवाद (ग) युवां क्रोधं नैव कुर्यातम्।
अनुवाद (घ) कृपणतां दानेन जयेत्।

BOOK ACtivity

(2) संधि विच्छेद =>
(क) मित्रम् + एव।
(ख) जनपदस्य + अर्थे।
(ग) न + अमृतम्।
(घ) सत्यम् + अप्रियम्।
(5) चापि => च + अपि।

(3) रिक्त स्थान =>
(क) पृथिवीं
(ख) ग्रामस्यार्थे
(ग) ब्रूयात्
(घ) यत्नेन

Scanned with CamScanner

(4) विलोम शब्द

(क) शत्रु

(ख) असत्यम्

(ग) अप्रियम्

(घ) कृपणता

(5)

	मूलधातु	लकार	पुरुष	वचन
(क)	रक्ष	विधिलिङ्	प्रथम पु०	एकवचन
(ख)	त्यज्	विधिलिङ्	प्रथम पु०	एकवचन
(ग)	भू	विधिलिङ्	प्रथम पु०	एकवचन
(घ)	सम+रक्ष	विधिलिङ्	प्रथम पु०	एकवचन

(6) रूप लिखिए

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
लिखेत्	लिखेताम्	लिखेयुः
लिख !	लिखेतम्	लिखेत
लिखेयम्	लिखेव	लिखेम

— × — × — × —

"गृहकार्य"

सभी अभ्यास याद करें।

Scanned with CamScanner